राजभाषा पखवाड़ा समारोह 2025

मुंबई सीमाशुल्क, अंचल – I में **14 सितम्बर से 28 सितम्बर 2025** तक *राजभाषा पखवाड़ा* का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस पखवाड़े का उद्घाटन माननीय **मुख्य आयुक्त श्री नीतीश कुमार सिन्हा** के तत्वावधान में हुआ।

📌 पखवाड़े की प्रमुख गतिविधियाँ

राजभाषा अनुभाग द्वारा पखवाड़े के अंतर्गत विभिन्न साहित्यिक एवं भाषायी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिनमें –

- हिन्दी निबंध लेखन प्रतियोगिता
- हिन्दी कविता पाठ प्रतियोगिता
- राजभाषा ज्ञान प्रतियोगिता
- टिप्पणी एवं आलेखन प्रतियोगिता

आदि शामिल थीं। इन प्रतियोगिताओं में अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और राजभाषा हिन्दी के प्रति अपनी अभिरुचि प्रदर्शित की।

🎤 काव्य सम्मेलन एवं 'सीमाभारती' विमोचन

पखवाड़े का मुख्य आकर्षण **19 सितम्बर 2025** को आयोजित *काव्य सम्मेलन एवं गृहपत्रिका 'सीमाभारती' (30वाँ अंक) का विमोचन समारोह* रहा।
कार्यक्रम की अध्यक्षता **मुख्य आयुक्त श्री नीतीश कुमार सिन्हा** ने की तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रख्यात **सिनेकलाकार श्री पंकज झा** उपस्थित रहे।

इस अवसर पर राष्ट्रीय स्तर के ख्यातिलब्ध कवि–

- **श्री रवि यादव**
- **सुश्री पूनम विश्वकर्मा**
- **श्री नजर बीजनौरी**
- **श्री मुकेश गौतम**
- **श्री चंदन राय**

ने अपनी ओजस्वी, मार्मिक एवं हास्यरसपूर्ण रचनाओं से सभागार को भाव-विभोर कर दिया। साथ ही, मुंबई सीमाशुल्क अंचल – I के **आयुक्त (निर्यात) श्री असलम हसन** ने भी अपनी रचना का काव्य पाठ प्रस्तुत कर समारोह की गरिमा और बढ़ा दी।

इस अवसर पर *गृहपत्रिका 'सीमाभारती'* के 30वें अंक का विमोचन भी माननीय मुख्य आयुक्त महोदय, मुंबई सीमाशुल्क अंचल I के सभी आयुक्तगण एवं विशिष्ट अतिथि द्वारा किया गया।

🏆 पुरस्कार वितरण एवं समापन समारोह

पखवाड़े का **समापन समारोह 30 सितम्बर 2025** को सम्मेलन कक्ष, द्वितीय तल, नवीन सीमाशुल्क भवन में आयोजित किया गया। इस अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को **नकद पुरस्कार एवं प्रमाणपत्र** प्रदान किए गए।

विशेष रूप से —

- *वेतन एवं लेखा अनुभाग* तथा *कर सहायक श्री अभिषेक* को **हिन्दी कार्यान्वयन में उत्कृष्ट प्रदर्शन** हेतु स्मृति चिह्न प्रदान किए गए।
- साथ ही, *राजभाषा अनुभाग* में **35 वर्षों की उल्लेखनीय सेवाएँ प्रदान करने हेतु सहायक निदेशिका सुश्री जागृति जोशी** को भी स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया।

राजभाषा पखवाड़ा 2025 न केवल विभागीय कर्मचारियों और अधिकारियों के लिए **हिन्दी भाषा एवं साहित्य के प्रति जागरूकता का मंच** बना, बल्कि इसने *सृजनात्मकता, अभिव्यक्ति और सांस्कृतिक एकता* को भी नई ऊर्जा प्रदान की।

मुंबई सीमाशुल्क, अंचल – I सदैव की भाँति भविष्य में भी राजभाषा हिन्दी के संवर्धन एवं प्रसार के लिए कटिबद्ध रहेगा।